>

Title: Need to provide compensation to farmers in Uttar Pradesh especially in Bundelkhand region of the State whose crops suffered damages due to frost and hailstorm.

श्री आर.के.ि ंसह पटेल (बांदा): अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड के चित्रकूट, बांदा, जालौन, झांसी, हमीरपुर, महोबा समेत देश के विभिन्न प्रांतों में पाला/तुषार तथा ओला वृष्टि से किसानों की दलहनी, तिलहनी एवं सब्जियों जैसे आलू, टमाटर सहित रबी की सभी फसलें नष्ट हो गई हैं। विशेषकर बुन्देलखण्ड के किसानों का इन दैवीय आपदाओं से पचास प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ है। कहीं-कहीं शत-प्रतिशत फसलें चौपट हो गई हैं, जिससे किसान भुखमरी की कगार पर खड़ा हो गया है। फसलें नष्ट होने से किसानों का खाद, बीज, डीजल, मजदूरी आदि पर खर्च किया गया पैसा बर्बाद हो गया है। किसानों द्वारा बैंकों से बड़ी-बड़ी रकम उक्त कृषि कार्यों में लगाई गई हैं, जिनका कर्ज अदा करना तो दूर किसान ब्याज तक भी नहीं दे सकते। जिससे बैंक आर.सी. करके राजस्व वसूली करने के साथ बंधक भूमि को नीलाम करके किसानों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर करने को तैयार है।

यदि सरकार तत्काल देश के उत्तर प्रदेश एवं बुन्देलखण्ड के किसानों को नष्ट हुई फसलों का मुआवजा/क्षतिपूर्ति नहीं देती है तो किसान बड़े पैमाने पर सड़कों पर उतर सकता है, जिससे कानून व्यवस्था पर असर पड़ेगा तथा किसान आत्महत्या करने को मजबूर होगा।

अतः सरकार से मांग है कि देश के विभिन्न प्रांतों में जहां दैवीय आपदा से फसलें नष्ट हुई हैं उत्तर प्रदेश सहित बुन्देलखण्ड के चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, महोबा, जालौन, झांसी आदि जिलों में सर्वे कराकर विभिन्न दैवीय आपदाओं में नष्ट हुई फसलों का मुआवजा 25 हजार रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से दिए जाने के साथ किसानों द्वारा लिए कर्जों को माफ करने की मांग करता हूं।